Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-10 | मन्नू भंडारी

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. एक कहानी यह भी पाठ अनुसार लेखिका को लेखन की प्रेरणा किससे मिली?

(अ) अपने पिता से और हिंदी प्राध्यापिका से
(ब) अपनी हिंदी प्राध्यापिका से
(स) अपनी माता से
(द) अपने पिता से

2. एक कहानी यह भी की लेखिका के पिता इंदौर से अजमेर क्यों आ गए ?

(अ) लेखिका के कारण
(ब) एक बड़े आर्थिक झटके के कारण
(स) संवेदनशील होने के कारण
(द) क्रोधी होने के कारण

3. एक कहानी यह भी पाठानुसार लेखिका की अपने घर में सबसे अधिक वैचारिक टकराहट किससे थी?

(अ) अपनी नौकरानी से
(ब) अपनी माता जी से
(स) अपनी बहिन सुशीला से
(द) अपने पिता जी से

4. मन्नू भण्डारी के अनुसार शताब्दी की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

(अ) पिता द्वारा की गई प्रशंसा
(ब) देश की आजादी
(स) लेखिका का कॉलेज में प्रवेश
(द) आजाद हिन्द फौज का मुकदमा

5. एक कहानी यह भी पाठ में लेखिका के मन में कौन-सी हीन-भावना ग्रंथि बन गई थी?

(अ) आँखों पर चश्मा लगना
(ब) काले रंग की होना
(स) छोटे कद की होना
(द) पढ़ाई में कमजोर होना

6. एक कहानी यह भी पाठानुसार लेखिका ने अपने पिता के शक्की स्वभाव का क्या कारण बताया?

(अ) बच्चों द्वारा चोरी करना
(ब) नौकरी छूट जाने के कारण
(स) पत्नी के बुरे चाल चलन के कारण
(द) अपनों द्वारा विश्वासघात

7. एक कहानी यह भी की लेखिका अपनी माँ से लगाव के बावजूद उनकी तरह क्यों नहीं बनना चाहती थीं?

(अ) माँ के पास आर्थिक संबल नहीं था।
(ब) माँ जितना धैर्य, त्याग और सहनशीलता लेखिका के पास नहीं था।
(स) माँ की समाज में कोई विशिष्ट पहचान नहीं थी।
(द) माँ धरती की तरह विशाल हृदय की थी पर उसे सब सहना भी पड़ता था।

8. एक कहानी यह भी पाठ में लेखिका के पिता ने उसके व्यक्तित्व पर कब ध्यान देना शुरू किया?

(अ) जब लेखिका के भाई-बहन घर से चले गए
(ब) जब वह क्रांतिकारी बन गई
(स) जब उनकी शादी हो गई
(द) जब वह बड़ी हो गईं

9. एक कहानी यह भी पाठ अनुसार परिश्रमपूर्वक लिखे शब्द कोश से लेखिका के पिता को क्या प्राप्ति हुई?

(अ) अकूत धन की
(ब) उनको सरकार द्वारा सम्मानित किया गया
(स) यश तथा प्रतिष्ठा की
(द) राय बहादुर की उपाधि

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

10. एक कहानी यह भी पाठ में लेखिका की दृष्टि में उनकी माँ का व्यक्तित्व आदर्श रूप नहीं था क्योंकि

(अ) उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा दबा सा लगता था। (ब) उनकी माँ बहुत अधिक पढ़ी-लिखी नहीं थीं।

(स) उनकी माँ बहुत ही आक्रामक स्वभाव की थीं। (द) उनकी माँ अपने बच्चों से भेदभाव करती थीं।

रिक्त स्थान :

11. मन्नू भण्डारी _____ भाई-बहन थे।

12. एक कहानी यह भी पाठ में कॉलेज की प्रिंसिपल _____ परेशान थी।

सत्य / असत्य

13. एक कहानी यह भी पाठ में डॉक्टर साहब स्वतंत्रता सेनानी थे।

14. मन्नू भंडारी की हिंदी प्राध्यापिका का नाम मनीषा यादव था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. हम कैसे कह सकते हैं कि मन्नू भण्डारी के पिता बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे?

16. मन्नू भंडारी की हिन्दी अध्यापिका को कॉलेज वालों ने क्यों और क्या नोटिस दिया था ? 'एक कहानी यह भी पाठ के आधार पर समझाइए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मन्नू भंडारी के पिता उन्हें किससे दूर रखना चाहते थे और क्यों?

18. मन्नू भंडारी के स्वभाव की दो विशेषताएँ पाठ के आधार पर लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया या और न अपने कानों पर? एक कहानी यह भी की लेखिका के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

20. मन्नू भंडारी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. अपनो का विश्वासघात मनुष्य को अधिक कचोटता है-यह कहानी यह भी पाठ के आधार पर विचार दीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-10 | मन्नू भंडारी

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (अ) लेखिका को लेखन की प्रेरणा अपने पिता व अपनी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल से मिली।
2. (ब) एक बड़े आर्थिक झटके के कारण लेखिका के पिता इंदौर से अजमेर आ गए।
3. (द) अपने पिता जी से।
4. (ब) लेखिका (मन्नू भण्डारी) के अनुसार शताब्दी की सबसे बड़ी उपलब्धि देश की आजादी थी।
5. (ब) काले रंग की होना।
6. (द) अपनों द्वारा विश्वासघात।
7. (द) माँ धरती की तरह विशाल हृदय की थी पर उसे सब सहना भी पड़ता था।
8. (अ) जब लेखिका के भाई-बहन घर से चले गए।
9. (स) यश तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति हुई।
10. (अ) उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा दबा सा लगता था।
11. **रिक्त स्थान :** पाँच
12. **रिक्त स्थान :** लेखिका से
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. मन्नू भंडारी के पिता बहुत ही विद्वान व्यक्ति थे। वे सदा पढ़ने-लिखने में ही व्यस्त रहते थे और बिना किसी स्वार्थ के दूसरे लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते थे।
16. कॉलेज वालों के अनुसार मन्नू भंडारी की हिंदी की अध्यापिका शीला अग्रवाल ने मन्नू और अन्य छात्रों को भड़काया था इसलिए अनुशासन बिगाड़ने का आरोप लगाकर कॉलेज वालों ने उन्हें नोटिस दिया था।
17. मन्नू भंडारी के पिता उन्हें रसोई घर से दूर रखना चाहते थे क्योंकि उनका मानना था कि रसोईघर में सारी प्रतिभाएँ और योग्यताएँ भट्टी में जलकर नष्ट हो जाती हैं। वे रसोईघर को भटियारखाना समझते थे।
18. मन्नू भंडारी के स्वभाव की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. वे देशप्रेमी थी। उन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी निभाई थी।

ii. उनका व्यक्तित्व बेहद निश्छल और स्नेह से परिपूर्ण था।

19. लेखिका के पिता को कॉलेज की प्रिंसिपल ने एक पत्र भेजा था जिसमें उनके विरुद्ध होने वाली अनुशासनात्मक कार्यवाही का उल्लेख था। उसे पढ़कर पिताजी बेहद नाराज़ हुए । जब वे कॉलेज गए तो उन्होंने देखा कि वहाँ उनकी बेटी का इतना रौब है कि उनके बिना लडकियाँ कास में भी नहीं जातीं। ये देखकर वे कॉलेज की प्रिंसिपल से बोले कि उनकी लड़की वही कर रही है जो देश की पुकार है। घर आने पर जब वे प्रसन्नतापूर्वक ये घटना सुना रहे थे तो लेखिका को न अपने कानों पर विश्वास हो पाया और न अपनी आँखों पर ।

एक कहानी यह भी की लेखिका के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें बाहरी रंग-रूप से परे अपने गुणों को विकसित करना चाहिए और मुश्किल परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए। उनकी कहानी यह भी सिखाती है कि जीवन की परिस्थितियों और अवस्थाओं का तटस्थ मूल्यांकन करना और अपनी बात को साहस के साथ कह पाना आवश्यक है।

20. शीला अग्रवाल लेखिका के कॉलेज में हिन्दी अध्यापिका थीं तथा खुले दिमाग वाली प्रबुद्ध महिला थीं। उन्होंने लेखिका की सीमित समझ के दायरे को बढ़ाया। साहित्य के प्रति उनका लगाव बढ़ाया | देश की स्थिति को जानने-समझने का जो सिलसिला पिताजी ने शुरू किया था, शीला अग्रवाल ने उसे सक्रिय भागीदारी में बदला | उनकी जोशीली बातों के कारण ही लेखिका के मन में अंकुरित देशप्रेम की भावना को एक विशाल वृक्ष का आकार दे दिया और वे देशभक्ति के रास्ते पर चल पड़ी।
21. अपनों के द्वारा दिए गए विश्वासघात की चोट शरीर पर न लगकर सीधे हृदय पर लगती है, इस चोट को मनुष्य आजीवन नहीं भूल पाता। शत्रु से सावधान रहने की सीख तो मनुष्य को सबसे मिल जाती है पर अपनों के द्वारा विश्वासघात करने से नई संस्कृति का जन्म होता है, इससे प्रत्येक व्यक्ति सबके प्रति सशंकित और कुंठित रहता है। वह एकाकी जीवन जीने के लिए विवश हो जाता है। ऐसी स्थिति में उसमें अविश्वास की भावना जन्म लेती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App